IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक शिक्षा उसमें निहित अधिगमकर्ता केंद्रित दृष्टिकोण व चुनौतियां

[1]विजय कुमार, [2] डॉ॰संजीव कुमार

[1]शोधार्थी, [2]असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

कु॰ मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बादलपुर,गौतमबुद्ध नगर

सारांश

भारत में 1947 में आजादी के बाद से ही शिक्षक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गयाए इसी क्रम में आने वाले विभिन्न आयोगो द्वारा शिक्षक शिक्षा पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां की गयी जैसे कोठारी आयोग द्वारा शिक्षक के चरित्र तथा उनकी क्षमता को महत्वपूर्ण बताया गया उसी क्रम में भारत के मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986ए वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 फ्रेम की गई तथा शिक्षा की आवश्यकता सामाजिक आवश्यकताओं पर आधारित मानकर शिक्षक शिक्षा को शिक्षकों को योग्य मार्गदर्शन तथा शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया शिक्षकों को बहू आवश्यक प्रतिभा के धनी बनने पर जोर दिया गया हैएशिक्षक को महत्वपूर्ण कारक माना गया है जो यह निश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि छात्रों की प्रतिभा में निखार आ रहा है उनके सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक महत्वपूर्ण है उनके सहायक है उनके ज्ञान को गतिशील रखने का माध्यम है प्रस्तुत पत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक शिक्षा उसकी चुनौतियां उसके भविष्य में होने वाले प्रभाव तथा उसमें निहित अधिगमकर्ता केंद्रीय दृष्टिकोण का अध्ययन है स

मुख्य बिन्दु- शिक्षक शिक्षा,राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२०,शिक्षक शिक्षा की चुनौतियाँ

प्रस्तावना

शिक्षक एक प्रभावशाली तथा महत्वपूर्ण कारकों में से एक है जो किसी भी स्तर पर बच्चों के सीखने को सीधे.सीधे प्रभावित करता है एक कक्षा.कक्ष के भीतर शिक्षक.छात्र अंतः क्रिया एवं शैक्षिक वातावरण छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने में सर्वाधिक प्रभावित करने वाला कारक हैए यहां शिक्षा की महत्ता के बारे में कहा गया हैष महान शिक्षक ना तो पैदा होते हैं और ना ही बनाए जाते हैं महान शिक्षक दोनों के समायोजन के उत्पाद होते हैं जो सही संरचनाओं प्रशिक्षण और प्रोत्साहन द्वारा समर्थित होते हैंष्स; विश्व बैंक रिपोर्टए जुलाई 2014द्धस शिक्षक महत्वपूर्ण कारक है अतरू एनईपी .2020 भी शिक्षक शिक्षा की आवश्यकता को महसूस करती है एवं उसमें कहा भी गया हैष अगली पीढ़ी को आकार देने वाले शिक्षकों की एक टीम के निर्माण में अध्यापक शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण हैस शिक्षकों को तैयार करना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके लिए बहुविषयक दृष्टिकोण को ज्ञान की आवश्यकता के साथ ही साथ बेहतरीन मेंटरों के निर्देशन में मान्यताओं और मूल्यों के निर्माण के साथ ही साथ उनके अभ्यास की भी आवश्यकता होती हैस यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अध्यापक शिक्षा और शिक्षक प्रक्रियाओं से संबंधित आदतन प्रगति के साथ ही साथ भारतीय मूल्य भाषा ज्ञान लोकाचार और परंपराओं सहित के प्रति भी जागरूक रहे सष्15ण्1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पृष्ठ 69 द्ध भारत सरकार ने उपरोक्त रिपोर्ट के आधार पर इसके सुझावों को 2030 तक लागू करने की मंशा का जिक्र किया है क्योंकि एनईपी.2020 जहां शिक्षा में गुणात्मक सुधार के साथ.साथ उसे विश्व स्तरीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैए शिक्षण एक बंधन रहित प्रक्रिया है उसे संस्थान के अंदर से लेकर बाहर तक के शैक्षिक वातावरण को प्रभावित किया जाता है अच्छे

शिक्षक से अच्छे नागरिक व अच्छा समाज बनाया जाता है व शिक्षण सीधे रूप से शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर निर्भर है इसीलिए ष्वर्ष 2020 तक बहुविषक उच्चतर शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रदान किया जाने वाला 4 वर्षीय एकीकृत बीण् एड कार्यक्रम की बात इसमें की गई है यह स्कूली शिक्षा के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता बन जाएगा स यह 4 वर्षीय एकीकृत बीण् एड शिक्षा और इसके साथ ही एक अन्य विशेष विषय जैसे भाषा इतिहासएसंगीतए गणितए कंप्यूटर विज्ञानए रसायन विज्ञानए अर्थशास्त्र आदि में एक समग्र ड्यूअल मेजर स्नातक डिग्री होगी स अत्याधुनिक शिक्षा शास्त्र के शिक्षण के साथ ही एक शिक्षक.शिक्षा में समाजशास्त्रए इतिहासएविज्ञानएमनोविज्ञानएप्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षाए बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञानए भारत से जुड़े ज्ञान और इसके मूल्यध्लोकाचारध्कलाध्परंपरा और भी बहुत कुछ शामिल होगाष्;15ण्5 एनईपी.2020 पृष्ठ 70द्ध नई शिक्षा नीति 2020 साथ ही 2 वर्षीय बीएड कार्यक्रम एवं 1 वर्षीय बीएड कार्यक्रम को भी जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैप्

शिक्षक शिक्षा की चुनौतियां

1ण् एनईपी.2020 के अनुसार नए तरीकों से पढ़ाना जिसे वह विद्यार्थी को अच्छे से ज्ञान प्रदान कर सके लेकिन यह सीमित संसाधनों के अंतर्गत अध्यापक व अधिगमकरता दोनों के लिए समान रूप से कठिन कार्य होगा क्योंकि अध्यापक सीमित संसाधन होने के बावजूद अपने पुराने अध्यापन के तरीकों से नए तरीकों पर आने तथा छात्रों को भी एकदम से नए तरीकों से पढ़ने में भी सामान्यतः समस्या आएंगी ही स

2ण् एनईपी.2020 के अनुसार शिक्षक शिक्षा पर अनेकों सुझाव दिए गए हैं लेकिन शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम पर कोई टिप्पणी उसमें नहीं की गई है लेकिन इस प्रकार का पुराना व सैद्धांतिक पाठ्यक्रम बिना प्रायोगिक शिक्षक शिक्षा के प्रभावशील नहीं हो सकता हैस

3ण् शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी छात्र शिक्षक या तो रुचि नहीं लेते यदि लेते भी हैं तो पूर्ण समर्पण के साथ नहीं इस प्रकार का अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम अच्छे अध्यापकों के निर्माण में बाधा ही उत्पन्न करता हैस

4ण् शिक्षकों का अधिगकरता को समझने व उनके भीतर तनाव प्रबंधनकरने की क्षमता विकसित करने की योग्यता में भी दक्षता का अभाव पाया जाता है यह देखा गया है कि अध्यापक भी किसी नए कार्यभार ग्रहण करते समय स्वयं में तनाव प्रबंधन नहीं कर पाते हैंस

5ण् शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों में भी अपर्याप्त धन आवंटन के कारण बुनियादी प्रशिक्षण उपकरणए तकनीकए संसाधनों का अभाव होता है जिसके कारण प्रयोगशालाए पुस्तकालय वछात्रावास में सुविधाओं के अभाव के कारण प्रशिक्षण कार्यक्रम में बधाएं आती हैं यह भी पाया गया है कि बहुत से शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय किराए की इमारतो में चलाए जा रहे हैंस

6ण् समय के साथ.साथ शिक्षा में नए तथ्यों का समावेश होता रहता है अतः शिक्षकों को भी एक शोधकर्ता के समान नए ज्ञान का अर्जन करते रहना होता है लेकिन अध्यापक प्रायरू नए ज्ञान स्रोतों द्वारा ज्ञान अर्जन के प्रति उदासीनता प्रस्तुत करते हैंस आज जब अध्यापक अपनी कक्षा कक्ष में छात्रों से अनुदेशन करता हैए वहां छात्र विभिन्न भाषाभासी होने के साथ विभिन्न सांस्कृतिक परिदृश्यों से होते हैं शिक्षक को इन सभी से रूबरू होने के लिए विभिन्न भाषाओं के साथ.साथ विभिन्न संस्कृतियों का भी ज्ञान होना चाहिए तभी वह अधिगमकर्ता के सम्मुख प्रभावशाली प्रकरण को प्रस्तुत कर सकेगा स

7ण् आज के समय में नई आधुनिक तकनीकी लगातार शिक्षा को प्रभावित कर रही है तकनीकी रोज स्वयं में बदलाव ला रही है अतः शिक्षकों को भी इस प्रकार की तकनीकी से अधतन होना होगा जो समय की आवश्यकता हैस

शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

शिक्षक शिक्षा को विश्वसनीय सबल बनाने के लिए एनईपी.2020 के अनुसार निम्न स्तरीय व बेकार अध्यापक शिक्षा संस्थानों जो शैक्षिक मानदंड पूरा नहीं कर पा रहे हैंए को 1 वर्ष का समय दिया जाने के पश्चात कठोर कार्यवाही की जाएगी स वर्ष 2030 तक केवल शैक्षिक रूप से सुदृढ़ बहू विषयक और एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम ही कार्यान्वित होंगे ;एनईपी.2020ए15ण्3ए पृष्ठ 40द्ध अध्यापक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों के संदर्भ में छम्द्ध2020 अध्यापक शिक्षा प्रदान करने वाले उच्चतर शिक्षण.संस्थानए शिक्षा और इससे संबंधित विषयों के साथ ही साथ विशेष विषयों में विशेषज्ञों की उपलब्धता को सुनिश्चित करेंगे सप्रत्येक उच्चतर शिक्षा संस्थान के पास सघन जुड़ाव के साथ काम करने के लिए सार्वजनिक और निजी स्कूलों और स्कूलों परिसरों का एक नेटवर्क होगा जहां भावी शिक्षक अन्य सहायक गतिविधियों जैसे सामुदायिक सेवाएव्यस्क और व्यावसायिक शिक्षाए आदि में सहभागिता के साथ शिक्षण का कार्य करेंगेष्;एनईपी.2020 15ण्6 पृष्ठ 69द्धस एनईपी.2020 उच्च शिक्षा में सभी पीएचडी शोधार्थियों को अपने संबंधित विषय में शैक्षणिक प्रक्रियाओं पाठ्यक्रम निर्माण विश्वसनीय मूल्यांकन प्रणाली और संचार जैसे क्षेत्रों का अनुभव लेने की बात कहती है क्योंकि इनमें से कई शोध विद्वान अपने चुने हुए विषयों के संकाय सदस्य व संचालक बनेंगेएनईपी.2020 में शोध छात्रों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक घंटे को भी तय करने पर बल देती है स कॉलेज व विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सेवारत सतत व्यवसायिक विकास का प्रशिक्षण मौजूद संस्थागत व्यवस्था और पहलो के माध्यम से ही जारी रहेगा स शिक्षकों के ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए स्वयम ध्दीक्षा जैसे प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि मानकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कम समय के भीतर अधिक शिक्षकों को मुहैया कराया जा सकेस

सलाहध्मेंटरिंग के लिए एनईपी.2020 एक राष्ट्रीय मिशन की स्थापना पर बल देती है जिसमें बड़ी संख्या में वरिष्ठ सेवानिवृत् उत्कृष्ट संकाय सदस्यों को जोड़ा जाएगा इनमें वे सदस्य भी शामिल होंगे जिनमें भारतीय भाषाओं से पढ़ाने की क्षमता है और जो विश्वविद्यालय कॉलेज के शिक्षकों को लघु और दीर्घकालिक परामर्श व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार होंगेस इस शिक्षा नीति ने शिक्षक चयन में भी महत्वपूर्ण सुधारो की वकालत की गई है इसमें बताया गया है कि आने वाले समय में शिक्षकों के चयन के समय टेट या संबंधित सब्जेक्ट में एनटीए टेस्ट स्कोर भी चेक

किया जाएगा स सभी विषयों की परीक्षाएं और एक कॉमन एटीट्यूड टेस्ट का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी करेगा जो उम्मीदवार टीईटी पास करेंगे उन्हें एक डेमोंसट्रेशन या इंटरव्यू द्वारा स्थानीय भाषा मे प्रदर्शित करना होगा स नई शिक्षा नीति के अनुसार इंटरव्यू शिक्षक भर्ती प्रक्रिया का अभिन्न अंग होगास प्राइवेट स्कूलों में भी शिक्षकों की भर्ती के लिए यह अनिवार्य होगा; एनईपी.2020 पृष्ठ 19द्ध

अधिगमकर्ता केंद्रित दृष्टिकोण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जहां शिक्षक शिक्षा की चुनौती सुझाव व शिक्षा पर पर्याप्त प्रकाश डालती हैं वही इन सब के पीछे अधिगमकर्ता को अधिक से अधिक ज्ञान अर्जन व उसके बहुमुखी विकास का खाका उसकी आत्मा है स एनईपी.2020 व्यक्तिगत पाठ्यक्रम चुनने में लचीलेपन के लिए विकल्पों की बात दोहराती है लेकिन आज की तेजी से बदलती दुनिया में सभी विद्यार्थियों को एक अच्छे सफल अभिनव अनुकूलनिय और उत्पादक व्यक्ति बनाने के लिए कुछ विषयोंए कौशलों और क्षमताओं को सीखना भी जरूरी हैस भाषाओं में प्रवीणता के अलावाएइन कौशलों में शामिल है वैज्ञानिक स्वभाव और साक्ष्य आधारित सोचए रचनात्मक और नवीनताए सौंदर्य शास्त्र और कलाए मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति और संवाद (छम्च्2020 पृष्ठ 23)स प्रायरू गणित व गणितीय सोच प्रत्येक अधिगमकर्ता के विकास के लिए महत्वपूर्ण है उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसए मशीन लर्निंग और डाटा साइंस जो आज उसकी आवश्यकता है पर पकड़ मजबूत करनी होगी उसके लिए उसे स्कूली की पूरी अवधि के दौरान विभिन्न तरीकों जिसमें पहेलियां और गेम का नियमित उपयोग शामिल है जो गणितीय सोच को आसानी से अर्जित करने में सहायक होगीस नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूल शिक्षा के लिए नया और व्यापक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा एनसीएफएसई 2020-21 एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सिद्धांतों अग्रणी पाठ्यक्रम आवश्यकताओं के आधार पर तथा राज्य सरकारों मंत्रालयों केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और अन्य विशेषज्ञ निकायों सहित सभी हितकारको के साथ परामर्श करके तैयार करने एवं इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की बात करती है तथा एनसीएफएसई दस्तावेज को प्रत्येक 5.10 वर्ष में समीक्षा व अधतनीकरण करेगीएसाथ ही पाठ्यक्रम के बोझ में कमीए लचीलापन और रटकर सीखने के बजाय रचनावादी तरीके से सीखने पर नए सिरे से जोर के साथ-साथ पाठ्य पुस्तकों में भी बदलाव की बात करती हैए छात्रों पर से पाठ्य पुस्तकों की कीमतों के बोझ को कम करने के लिए पाठ्य पुस्तकों की गुणवत्ता के साथ ही पुस्तकों को न्यूनतम संभव लागत उत्पादनध मुद्रण की लागत पर उपलब्ध करने पर ध्यान देती है(छम्च्2020 पृष्ठ 25)स हमारी स्कूली शिक्षा प्रणाली में आकलन के लिए नई शिक्षा नीति 2020 मे आकलन का उद्देश्य सीखने के लिए होगा. यह शिक्षक और विद्यार्थी के साथ ही पूरी स्कूली शिक्षा प्रणाली के लिए मदद करेगा सभी विद्यार्थियों के लिए सीखने और विकास को अनुकूल करने के लिए शिक्षक और सीखने की प्रक्रियाओ को लगातार संशोधित करने में मदद करेगा यह शिक्षा के सभी स्तरों पर मूल्यांकन के लिए अंतरनिहित सिद्धांत होगा ; पृष्ठ 26 एनईपी.2020)स "विद्यार्थियों को सही को करने" के महत्व को सीखने का महत्व समझाया जाएगा उसे नैतिक मूल्यों को अपनाने में सक्षम बनाया जाएगा सभी कार्यों में नैतिक आचरण अपने में दक्ष बनाया जाएगा उसके अंदर सेवा अहिंसा स्वच्छताए त्यागए सत्यए लैंगिक संवेदनशीलताए विविधताएशांतिए त्यागए क्षमा समानुभूति लोकतांत्रिक दृष्टिकोणए अखंडताए जिम्मेदारीए न्यायए स्वतंत्रताए समानता और बंधुत्व गुण विकसित करने पर जोर देती है बच्चों को कहानीए दंतकथाओंएभारतीय परंपराओं से सीखने का अवसर मिलेगा विद्यार्थियों को संविधान के

अंशो को पढ़ाया जाएगाए उसे मादक पदार्थों के हानिकारक विपरीत प्रभावों की वैज्ञानिक व्याख्या को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा (एनईपी.2020 पृष्ठ 24.25)

शोध साहित्य की समीक्षा

1ण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सुधारोए दृष्टिकोण में बहुमुखी भारतीय शिक्षक शिक्षा की रूपरेखा प्रस्तुत करती हैस इसके अंतर्गत संस्थाओं का पुनर्गठनए पाठ्यक्रम की पुनर्रचनाए शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को सुदृढ़ करना व्यवसायिक विकास करनाए कार्य करने की स्थिति में सुधार करनाहै (सरधाना आदिए2021द्ध

2ण राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 भारत सरकार द्वारा एक ऐतिहासिक पहल है जिसका उद्देश्य देश की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाना है यह नीति सुधारो की एक श्रृंखला प्रस्तुत करती है जैसे विद्यालय की संरचना पाठ्यक्रम व आकलन के साथ-साथ नवीनीकृत केंद्रित शिक्षण शिक्षण एवं व्यवसायिक विकास(इनमें से कुछ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ड्राफ्ट 2016 व 2017 से ली गई है)स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य स्तंभ शिक्षक शिक्षा की कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण बदलाव लाना है(कुमार आदि 2020) स

सुझाव

शोधकर्ता कुछ सुझाव प्रस्तुत कर रहे हैं जिससे शिक्षक की शिक्षा उसकी चुनौतियों तथा अधिगमकर्ता के ऊपर बोझ कम हो सके वह निम्न है दृ

1ण सरकार के द्वारा केंद्रित रूप से जिम्मेदारी लेनी होगी जिससे प्रत्येक शिक्षक को प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सार्थकता तय करकेस

2ण पाठ्य सामग्री को प्रत्येक नियत समय जो कि अधिक ना हो पर आधतन किया जाएस यह भी ध्यान रखा जाए कि शिक्षक जिस विषय को पढ़ाई में उसमें पर्याप्त ज्ञान रखता है एवं अपने ज्ञान को समय के अनुसार आधतन रखेंस

3ण शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली तकनीक अधिगमकर्ता मे आत्मविश्वास पैदा करें जिससे उसकी शिक्षक पर निर्भरता कम हो सके

4ण विद्वान शिक्षकों से किसी कार्यक्रमएकार्यशाला के माध्यम से प्राप्त सुझावो को लागू जानना जिससे शिक्षकों के ज्ञान अर्जन को बढ़ाया जा सके पर विशेष ध्यान देकर उन सुझावों को अमल में भी लाया जाए स

5ण शिक्षकों को भी उनके महत्वपूर्ण सुझावों के लिए सम्मानित किया जाए शिक्षक शिक्षण कार्यक्रम को आकर्षक वह बहुआयामी रखा जाएस

6ण शिक्षकों को चाहे वह सरकारी या गैर सरकारी हो समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर उन्हें सेवानिवृत्ति व विद्वान शिक्षको के अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान किया जाए स

निष्कर्ष

किसी भी राष्ट्र के विकास में सबसे शीघ्र प्रभाव शिक्षा ही ला सकती है शिक्षा के केंद्र में अधिगमकर्ता एवं शिक्षक मुख्य रूप से होते हैं आते राष्ट्र की उन्नति चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो चिकित्साए रक्षा या अन्य कोई ओर तभी सर्वोत्तम प्रभावित होगा जब अच्छे प्रशिक्षित कार्यविशेषज्ञ होंगे और वह हमें तभी प्राप्त होंगे जब शिक्षक अपना सर्वोत्तम शिक्षण दे सके एवं शैक्षिक वातावरण भी सर्वोत्तम हो जिससे अधिगमकर्ता भी सीखने में बोझ मुक्त होकर अपने ज्ञान में सर्वोत्तम वृद्धि कर सके इसके लिए हमें शिक्षकों की दशाए दिशाए पर्याप्त प्रशिक्षण देकर उनकी चुनौतियों को महत्व देकर साथ ही उनको शिक्षण के प्रति मानसिक रूप से तैयार करके साथ ही अधिगमकर्ताओं को समझने के लिए भी उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाए अधिगमकर्ता की रुचि वह कैसेए कबए क्यों सीखता है पर ध्यान दिया जाए प्रस्तुत शोध का उद्देश्य विभिन्न परिदृश्यों के माध्यम से अधिगमकर्ता के ज्ञान में कैसे वृद्धि लाई जाए के लिए किया गया हैस

संदर्भ सूची

1ण भारत सरकार (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।

2ण एन.सी.ई.आर.टी. (2021)। शिक्षक शिक्षा की रूपरेखा - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में। नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।

3ण मिश्रा, आर. (2022)। शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु नई शिक्षा नीति की भूमिका। भारतीय शैक्षिक समीक्षा, खंड 48(2), पृ. 45–52।

4ण शर्मा, एस. (2023)। शिक्षक शिक्षा में नवाचार और छम्च्2020 का प्रभाव। शैक्षिक विमर्श, खंड 10(1), पृ. 27–33।

5ण यूनिसेफ इंडिया (2021)। भारत में शिक्षा और शिक्षक: छम्च 2020 के आलोक में एक विश्लेषण। नई दिल्ली: यूनिसेफ।

6ण राजू, के.एस. (2021)। शिक्षक शिक्षा में परिवर्तनशील परिप्रेक्ष्य: एक मूल्यांकन। भारतीय शिक्षक शिक्षा जर्नल, खंड 5(3), पृ. 12–20।